भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3612 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 21 मार्च, 2025/ 30 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाना है

ओडिशा में तटीय पोत परिवहन परिचालन

† 3612. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओडिशा राज्य में विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान तटीय पोत परिवहन परिचालनों तथा आर्थिक विकास में उनके योगदान का वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) ओडिशा के पत्तनों से विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान तटीय पोत परिवहन के माध्यम से ढुलाई किए गए माल की वर्षवार कुल मात्रा कितनी है;

(ग) सरकार द्वारा तटीय पोत परिवहन को संभार तंत्र के लिए उपयोग करने हेतु लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जाने का विचार है; और

(घ) क्या उक्त राज्य में तटीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए किसी नई पत्तन संपर्क परियोजना का विचार है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान ओडिशा राज्य में परिवहन किए गए तटीय कार्गो के ब्यौरें निम्नानुसार है:-

(कार्गो की मात्रा एमएमटी में)

वित्त वर्ष	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
धामरा पत्तन	2.23	2.93	4.53
गोपालपुर पत्तन	0.52	0.30	0.59
पारादीप पत्तन	36.75	51.77	55.42
कुल	**39.50**	**55.00**	**60.54**

(ग): ओडिशा सरकार ने एसएमई सहित सभी क्षेत्रों के लिए राज्य की लॉजिस्टिक्स अवसंरचना के विकास को प्रोत्साहित करके पत्तन संपर्कता अवसंरचना, तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जलमार्गों सहित कार्गो हैंडलिंग क्षमता के संवर्धन हेतु 2022 में ओडिशा नीति और ओडिशा लॉजिस्टिक्स नीति जारी की है।

(घ): जी हां, सरकार द्वारा ओडिशा में पत्तन संपर्कता को बढ़ाने तथा तटीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने संबंधी कार्यान्वयन हेतु कदम उठाए गए हैं और निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गई है:-

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 3,747 करोड़ रु. की लागत पर रा.रा.-53 के पारादीप- चांदीखोले- खंड के 4 लेन को अपग्रेड करने तथा उसे 8 लेन तक चौड़ीकरण करने का कार्य शुरू किया है।
- भारतीय रेलवे ने 2,113 करोड़ रु. की लागत से जरापाड़ा-बुधपांक-सालेगांव के बीच रेलवे लाइन को चौगुना करने हेतु कार्यान्वयन शुरू किया है ताकि दक्षिणी राज्यों में विद्युत संयंत्रों तक तटीय आवाजाही हेतु जरापाड़ा क्षेत्र के तालचेर कोयला क्षेत्र और कोयला ब्लॉक्स से पारादीप तक कोयले की तीव्र आवाजाही की जा सके।
- ओडिशा राज्य सरकार द्वारा सुबर्णरेखा और अस्टारंगा में पत्तनों तथा उनकी संपर्कता सहित उनके विकास का कार्य शुरू किया है।

****